सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 112 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 29 मई, 2023
मूल्य ₹ 3/-

अज्ञानी होना उतनी शर्म की बात नहीं है जितना कि सीखने की इच्छा न रखना।
बेंजामिन फ्रैंकलिन

महाकाल के नाम पर भाजपा ने... 2 | महाराष्ट्र की सियासत में जारी है... 3 | पुलिस की दबंगई, पहलवानों को दंगाई... 7

कांग्रेस ने शुरू की चुनावी तैयारी

खरगे ने आगामी विस चुनाव पर नेताओं से की चर्चा

» सचिन-गहलोत को भी बुलाया
» मप्र पर भी रहा फोकस
» अध्यादेश पर अरविंद केजरीवाल को समर्थन देने का नहीं निकला कोई हल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कर्नाटक चुनाव की जीत के बाद से कांग्रेस फिर पूरी तरह से सक्रिय हो गई है। नए संसद भवन के उद्घाटन के मुद्दे को जोर शोर से उठाने के बाद सोमवार को अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे अपनी पार्टी की कील-कांटे दुरुस्त करने में जुट गए इसी के मद्देनजर उन्होंने राजस्थान, दिल्ली व अन्य चुनावी राज्यों पर वहां के नेताओं से आज चर्चा की।

उधर बैठक के बाद राहुल गांधी ने कहा हम मध्यप्रदेश में 150 सीटें जीतेंगे। राजस्थान की कलह, दिल्ली और मध्य प्रदेश चुनाव की रणनीति को लेकर पार्टी मुख्यालय में मीटिंग का दौर जारी है।

सचिन व गहलोत से मिलेंगे खरगे

मध्य प्रदेश चुनाव की रणनीति बनाने को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी की प्रदेश कांग्रेस के नेताओं के साथ बैठक है। वहीं राजस्थान में सीएम अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच झगड़ा सुलझाने के लिए अब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे खुद कूद पड़े हैं, उन्होंने आज दोनों नेताओं से अलग-अलग मुलाकात की। खरगे आज दोनों नेताओं से दिल्ली में अपने घर पर अलग अलग मिलें।

अजय माकन ने पुरजोर विरोध किया

कांग्रेस नेतृत्व ने दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के नेताओं से दिल्ली सरकार को लेकर केंद्र के अध्यादेश और गठबंधन को लेकर राय पूछी। सभी नेताओं ने गठबंधन का विरोध किया। अध्यादेश पर केजरीवाल को समर्थन के सवाल का अजय माकन ने पुरजोर विरोध किया। नेताओं ने केजरीवाल से मुलाकात का फैसला आलाकमान पर छोड़ा। केजरीवाल चाहते हैं कि कांग्रेस भी केंद्र के अध्यादेश के खिलाफ वोट करे। इस मुद्दे पर केजरीवाल और कांग्रेस आलाकमान की मुलाकात पर तस्वीर साफ नहीं है, केजरीवाल से मुलाकात को लेकर फैसला आलाकमान पर छोड़ दिया गया है। दिल्ली के लिए केंद्र की ओर से लाए अध्यादेश के बाद से मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कांग्रेस से समर्थन मांगा है. केजरीवाल को समर्थन देने या न देने के मुद्दे पर भी केजरीवाल की अपील पर कांग्रेस मुख्याल में चर्चा हुई। इस दौरान अध्यादेश पर कुछ नेता चुप रहे, हालांकि अजय माकन समेत कुछ नेताओं ने विरोध किया।

गठबंधन की संभावना ही नहीं: सिद्धू

पंजाब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू ने आज बैठक के बाद कहा कि 2024 में आम आदमी पार्टी से गठबंधन का कोई सवाल ही नहीं बनता है। उन्होंने कहा कि दोनों पार्टियों में वैचारिक मतभेद हैं, इसलिए गठबंधन नहीं बन सकता। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के साथ दिल्ली और पंजाब के कांग्रेस नेताओं की बैठक में दिल्ली के नेताओं ने उनसे कहा कि दिल्ली में आप से कोई गठबंधन नहीं होना चाहिए।

गांधी परिवार से की चर्चा

सूत्र बताते है पहले खरगे राजस्थान कांग्रेस नेताओं के साथ मुलाकात करेंगे। इसमें राहुल और प्रियंका गांधी भी शामिल हो सकते हैं। उसके बाद गहलोत पायलट खेमे के बीच सुलह के फॉर्मूले पर सहमति नहीं बनने पर अंतिम दौर की बातचीत के लिए सोनिया गांधी के साथ भी वार्ता हो सकती है। कुल मिलाकर राजस्थान विधानसभा चुनाव की तैयारी और गहलोत-पायलट विवाद के निपटारे के फार्मूले पर पार्टी हाईकमान मंथन करेगी। गहलोत-पायलट दोनों को साथ रखकर ही कांग्रेस पार्टी राजस्थान में चुनाव लड़ना चाहती है।

राहुल, कमलनाथ, दिग्विजय भी शामिल

कांग्रेस नेता राहुल गांधी कांग्रेस मुख्यालय पहुंच गए हैं। कमलनाथ, दिग्विजय सिंह, अजय सिंह भी कांग्रेस मुख्यालय पहुंच गए हैं। यहां मध्य प्रदेश चुनाव की रणनीति बनाने को लेकर खरगे और राहुल गांधी प्रदेश पार्टी नेताओं के साथ बैठक करेंगे।

गृहमंत्री के दौरे से पहले मणिपुर में फिर हिंसा, कई जानें गईं

» सेना मुस्तैद, 40 आतंकी ढेर, पांच नागरिकों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंफाल। म्यांमार से सटा भारत का पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर पिछले एक महीने से सुलग रहा है, आज फिर हिंसा भड़क गई। केंद्र सरकार अपने कार्यों में व्यस्त है। इस बीच राज्य के सीएम वीरेन सिंह ने कहा कि 40 आतंकी ढेर कर दिये। उधर केंद्रीय गृहमंत्री तीन दिनों तक वहां का दौरा करेंगे तथा स्थिती की समीक्षा करेंगे। कर्नाटक विधानसभा के चुनाव नतीजे आए, दिल्ली में नई संसद का उद्घाटन भी हो गया लेकिन देश के सुदूर राज्य की आग नहीं बुझी। 5 लोगों की मौत की भी खगर है।

घरों के धू-धू कर जलने की डरावनी तस्वीरें आ रही हैं। सोशल मीडिया पर भयावह मंजर दिखाई दे रहा है। सीएम एन. बीरेन सिंह का कहना है कि राज्य में शांति कायम करने के लिए ऑपरेशन चलाया जा रहा है और अब तक 40 हथियारबंद उग्रवादियों को ढेर किया जा चुका है। गोलीबारी और मुठभेड़ जारी है।

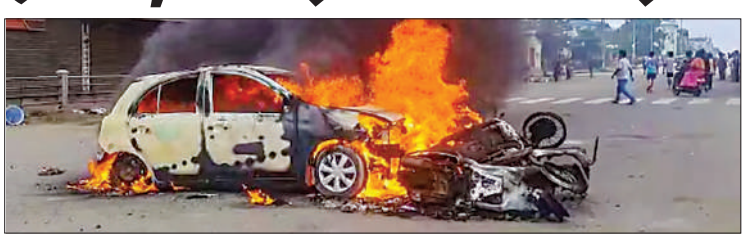

हालात पर राष्ट्रपति से मिलेंगे खरगे

मणिपुर के तनावपूर्ण हालात को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल कल यानी 30 मई की सुबह राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात करने वाला है। आज कांग्रेस के एक ट्विटर हैंडल से वीडियो ट्वीट किया गया जिसमें जलता घर और गाड़ी में गोलियों के निशान दिखाई दे रहे हैं।

गृहमंत्री अमित शाह आज पहुंचेंगे

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह आज मणिपुर जाने वाले हैं। वह जातीय संघर्ष का समाधान तलाशने के लिए कई बैठक करेंगे। वह तीन दिन तक कई स्थानों पर लोगों से बात करेंगे और हालात को समझने के साथ ही संकट का समाधान निकालने की कोशिश करेंगे। शाह पहले ही कह चुके हैं कि समाज के सभी वर्गों के लिए न्याय सुनिश्चित किया जाएगा। मीडियाकर्मियों को हिंसा वाले इलाकों से दूर रखा गया है।

दिल्ली हाईकोर्ट ने भाजपा नेता को दिया झटका

» 2000 के नोट बदलने के लिए पहचान पत्र दिखाने की मांग वाली याचिका की खारिज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 2000 के नोट बदलने के लिए पहचान पत्र दिखाने की मांग वाली याचिका दिल्ली हाइकोर्ट ने की खारिज 2000 के नोटों को बदलने से जुड़ी याचिका दिल्ली हाईकोर्ट में खारिज 2000 के नोट बदलने के लिए पहचान पत्र दिखाने की मांग वाली याचिका हाइकोर्ट ने खारिज कर दी है। दरअसल, अरबीआई के निर्देश के बाद बिना पहचान पत्र दिखाए 2000 के नोट बदले जा रहे हैं। ये फैसला बीजेपी नेता अश्विनी उपाध्याय की याचिका पर सुनाया गया।

दिल्ली हाईकोर्ट ने 23 मई को इस याचिका पर फैसला सुरक्षित किया था। आरबीआई ने याचिका का विरोध करते हुए कहा था कि याचिका को जुर्माने के साथ खारिज किया जाए। ये आर्थिक नीतिगत मामला है। अदालत के पहले के फैसले हैं कि आर्थिक नीतिगत मामलों में अदालत दखल नहीं देगी। अश्विनी उपाध्याय ने अदालत से मांग की है कि आरबीआई और एसबीआई को 2000 के नोट बदलने के लिए आईडी प्रूफ की आवश्यकता अनिवार्य किए जाने का कोर्ट आदेश दे और बैंक खाते में नोट जमा करने का भी आदेश दिया जाए।

भाजपा संविधान में मिले अधिकारों को छीन रही : अखिलेश यादव

सपा अध्यक्ष बोले-बड़े सवालों से भागना चाहती है सरकार

» दलित, पिछड़ों और शोषितों के साथ हो रहा अन्यायः शिवपाल यादव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने विधान परिषद उपचुनाव में मतदान करने के बाद कहा कि परंपरा यह है कि पिछड़ों को जिताया जाए। पिछड़ों को जोड़ा जाए और किसी के साथ अन्याय न हो। भाजपा संविधान में मिले अधिकारों को छीन रही है, आज भाजपा को परंपरा क्यों याद आ रही है। पिछड़े और दलितों का हक छीना जा रहा है। आज मनचाहे तरीके से यूनिवर्सिटी में अपने लोगों की भर्ती हो रही है।

रोजगार नहीं दे रहे हैं। आउटसोर्सिंग और प्राइवेटाइजेशन का क्या जवाब है। उन्होंने कहा कि आप जातीय जनगणना कराना नहीं चाहते हैं। सामाजिक न्याय से भाग रहे हैं। उन्होंने कहा कि बड़े सवालों से भाजपा भागना चाहती है जिनका जवाब देना होगा। सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि दलित, पिछड़े और शोषित समाज के साथ अन्याय हो रहा है। उस वर्ग को भी प्रतिनिधित्व देना है। भारतीय जनता पार्टी दलित समाज को पीछे करने का काम करती है। समाजवादी पार्टी पिछड़ों और अल्पसंख्यकों की लड़ाई लड़ने का काम करती है। देश और प्रदेश को धोखा देने का काम जो लोग करते हैं। उन्हें समाजवादी पार्टी सबक सिखाने का काम करेगी। ओमप्रकाश राजभर द्वारा भाजपा को समर्थन देने के सवाल पर उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव नजदीक आ रहा है सबको पता चलेगा।

संदेश देने के लिए लड़ रहे हैं चुनाव : राष्ट्रीय महासचिव

सपा विधायक शिवपाल सिंह यादव के नेतृत्व में पार्टी विधायक मतदान के लिए पहुंचे। शिवपाल ने कहा कि प्रदेश में अल्पसंख्यकों दलितों और कितनों के साथ अत्याचार हो रहा है। समाजवादी पार्टी ने हमेशा दलितों, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों के लिए संघर्ष किया है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जीत हार का कोई महत्व नहीं होता लेकिन संदेश देने के लिए सपा ने चुनाव लड़ा है। उन्होंने कहा कि 2024 में समाजवादी पार्टी भाजपा को सत्ता से बाहर करेगी।

सपा नैमिषारण्य से लोस चुनाव अभियान का करेगी आगाज

नैमिषारण्य में हवन पूजन के साथ सपा लोकसभा चुनाव अभियान का आगाज नौ जून से करेगी। यहां होने वाले दो दिवसीय कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर में कार्यकर्ताओं को डॉ. आंबेडकर, डॉ. लोहिया के विचारों से वाकिफ कराया जाएगा। साथ ही नर्म हिंदुत्ववाद का संदेश देने की भी कोशिश होगी। शिविर में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव, राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव सहित अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद रहेंगे। सपा लोकसभा चुनाव को लेकर फूंक-फूंककर कदम बढ़ा रही है। वह आरक्षण के मुद्दे पर मुखर है। संविधान बचाने की अपील कर रही है। भाजपा को संविधान विरोधी बताते हुए लोहियावादियों और आंबेडकरवादियों को एक मंच पर लाने में जुटी है। दलितों एवं अति पिछड़ों को जोड़ने पर जोर दे रही है। विधानसभा चुनाव में करीब 38 फीसदी मत हासिल करने वाली पार्टी अब 40 से 45 फीसदी मत का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रही है।

अधीनम को ओबीसी और पिछड़ा वर्ग संचालित करते हैं : बलूनी

» स्वामी प्रसाद को बीजेपी ने दे दिया जवाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी के नेता स्वामी प्रसाद मौर्य की तरफ से अधीनम संतों को कट्टरवादी ब्राह्मण बताने पर सोशल मीडिया पर काफी बहस चली। बीजेपी ने सपा को जवाब भी दिया। बीजेपी प्रवक्ता अनिल बलूनी ने कहा कि अधीनम को ब्राह्मण नहीं बल्कि ओबीसी और पिछड़ा वर्ग संचालित करते हैं। इससे पहले मौर्य ने रामचरितमानस को पिछड़ों और दलितों को अपमानित करने वाला ग्रंथ बताया था।

ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर यह अधीनम क्या है। संसद के उद्घाटन के अवसर पर इन्हें क्यों विशेष रूप से आमंत्रित किया गया। अधीनम एक तमिल शब्द है जिसका अर्थ शैव मठ है। अधीनम

तमिलनाडु में गैर-ब्राह्मण शैव मठवासी मठ हैं। लगभग 20 मुख्य अधीनम हैं। अधीनम से प्रत्येक के पास सैकड़ों करोड़ की संपत्ति है। एक अधिनम का अर्थ एक मठ या उसका पुजारी हो सकता है, जिसे अधीनकार्थर भी कहा जाता है। प्रत्येक अधीनम की एक विशिष्ट जाति और क्षेत्रीय विशेषता है। तिरुवदुथुराई और मदुरै में अधीनम के प्रमुख पारंपरिक रूप से इस क्षेत्र में प्रमुख शैवा पिल्लई या मुदलियार समुदायों से हैं।

यासीन मलिक के मामले की हो समीक्षा

» प्रधानमंत्री के हत्यारों को भी किया गया है माफ : मुफ्ती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू कश्मीर। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री एवं पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने जेकेएलएफ प्रमुख यासीन मलिक के मामले की समीक्षा की मांग की, जबकि पीपुल्स कांफ्रेंस के प्रमुख सज्जाद लोन ने अलगाववादी नेता के लिए मौत की सजा की एनआईए की याचिका को खतरनाक करार दिया। हालांकि, अपनी पार्टी के अध्यक्ष अल्ताफ बुखारी ने कहा कि देश की सुरक्षा को खतरे में डालने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाने चाहिए। जम्मू और कश्मीर लिबरेशन फ्रंट (जेकेएलएफ) के प्रमुख यासिन मलिक को पिछले साल एक ट्रायल कोर्ट ने एक टेरर फंडिंग मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

क्षेत्रीय राजनीतिक दलों की यह प्रतिक्रियाएं एनआईए द्वारा अदालत का दरवाजा खटखटाने के बाद सामने आई हैं।

महबूबा ने कहा कि मलिक के मामले की समीक्षा और पुनर्विचार होना चाहिए, क्योंकि भारत जैसे लोकतंत्र में एक प्रधानमंत्री के हत्यारों को भी माफ कर दिया गया है। उन्होंने अपने पूर्व पार्टी और कैबिनेट सहयोगी बुखारी पर भी निशाना साधा। कहा कि मलिक की फांसी का समर्थन करने वाले लोग हमारे सामूहिक अधिकारों के लिए गंभीर खतरा हैं। पीडीपी प्रमुख ने अपने ट्विटर हैंडल पर ट्वीट में लिखा, भारत जैसे लोकतंत्र में जहां एक पीएम के हत्यारों को भी माफ कर दिया गया था, यासीन मलिक जैसे राजनीतिक कैदी के मामले की समीक्षा और पुनर्विचार किया जाना चाहिए।

एनआईए की याचिका खतरनाक : लोन

इस बीच पीपुल्स कांफ्रेंस के अध्यक्ष सज्जाद लोन ने कहा कि एनआईए की याचिका खतरनाक है। लोन ने ट्विटर पर लिखा, यासीन मलिक पर एनआईए की याचिका खतरनाक है। यह एक विनम्र दलील है। आपको अच्छे मौसम वाले कश्मीर के विशेषज्ञों से गुमराह नहीं होना चाहिए। कृपया हर स्थिति में एक छोटी अवधि और एक लंबी अवधि होती है। मलिक को किसने बनाया पर भी सवाल उठाए।

यह सुनिश्चित करना चाहिए कि न्याय कायम रहे : बुखारी

अल्ताफ बुखारी ने कहा कि मलिक के लिए मौत की सजा की मांग वाली एनआईए की याचिका जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी फंडिंग को रोकने की जरूरत को उजागर करती है। उन्होंने कहा, हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि न्याय कायम रहे और जो लोग हमारे देश की सुरक्षा को खतरे में डालने की कोशिश कर रहे हैं, उनके खिलाफ कठोर कदम उठाए जाने चाहिए।

महाकाल के नाम पर भाजपा ने खाया पैसा

» मूर्तियां खंडित होने पर दिग्विजय सिंह ने लगाया बड़ा आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। उज्जैन महाकाल महालोक में तेज हवा और आंधी के चलते सप्तऋषि की मूर्तियां खंडित हो गई। ब पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने बड़ा आरोप लगाया है। दिग्गी ने कहा कि अब महाकाल के नाम पर भाजपा पैसे खा गई। दिग्विजय सिंह ने ट्वीट कर कहा कि कोई ऐसी योजना नहीं है, जिसमें भाजपा ने भ्रष्टाचार ना किया हो। वहीं इसे लेकर प्रदेश में सियासत गरमा गई है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के चीफ कमलनाथ ने जांच दल गठित किया है। उज्जैन के महाकुंभ में घटिया निर्माण किया और अब 750 करोड़ से बने महाकाल लोक कॉरिडोर की मूर्तियां तेज हवा से उड़ गई। इसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था। दिग्विजय सिंह ने आगे कहा कि कांग्रेस विधायक महेश परमार का लोकायुक्त में जांच के लिए अनुरोध सही निकला। भगवान शिवजी की मूर्ति तेज हवा में खंडित हो गई। निर्माण किसने किया था? गुजरात की कंपनी ने।

उज्जैन में खंडित मूर्ति पर सियासत गरमाई

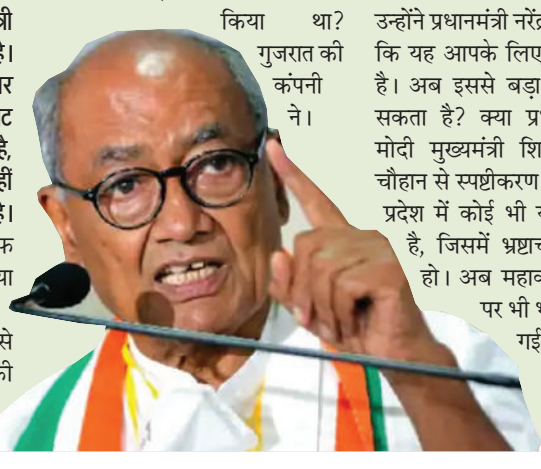

बीजेपी को 30 सीटें भी जीतने के पड़ जाएंगे लाले : बरैया

मुरैना। लोकसभा चुनाव से पहले 2023 का विधानसभा चुनाव सेमी फाइनल है। इस सेमी फाइनल को हमें भारी बहुमत से जीतना है, क्योंकि सेमी फाइनल जीतने के बाद ही फाइनल में बीजेपी को चित करेंगे। मध्यप्रदेश में बीजेपी को 30 सीटे भी जीतने के लाले पड़ जाएंगे। अगर भाजपा मध्यप्रदेश में 50 सीटों से ऊपर लाती है तो मैं संसद भवन के आगे अपने हाथों से मुंह काला कर लूंगा। यह बात मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश उपाध्यक्ष फूल सिंह बरैया ने मुरैना में कही। वे शनिवार को कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करने के लिए मुरैना आए हुए थे। वरिष्ठ कांग्रेस नेता फूल सिंह बरैया ने कहा कि संसद भवन का उद्घाटन करना उचित नहीं है। प्रधानमंत्री का यह कार्य अनैतिक और असंवैधानिक है।

भ्रम फैलाने का काम कर रही है कांग्रेस : शिवराज

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखा कि यह आपके लिए शुभ संदेश नहीं है। अब इससे बड़ा प्रमाण क्या हो सकता है? क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से स्पष्टीकरण लेंगे? मध्य प्रदेश में कोई भी योजना नहीं है, जिसमें भ्रष्टाचार न हुआ हो। अब महाकाल के नाम पर भी भाजपा पैसे खा गई।

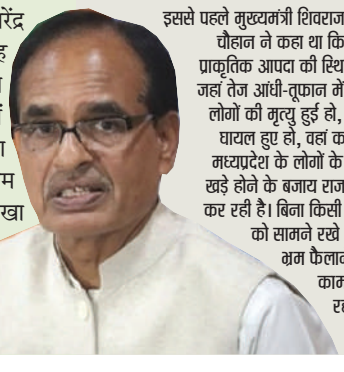

इससे पहले मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा था कि ऐसी प्राकृतिक आपदा की स्थिति में जहां तेज आंधी-तूफान में तीन लोगों की मृत्यु हुई हो, लोग घायल हुए हो, वहां कांग्रेस मध्यप्रदेश के लोगों के साथ खड़े होने के बजाय राजनीति कर रही है। बिना किसी तथ्य को सामने रखे सिर्फ भ्रम फैलाने का काम कर रही है।

महाराष्ट्र की सियासत में जारी है रस्साकसी

- कांग्रेस-भाजपा में उठापटक जारी
- फडणवीस ने सफाई दी कोई विवाद नहीं
- एकनाथ बोले-पुराने मित्र, चिंता न करें
- पटोले ने कहा बीजेपी को हराना है मकसद
- शिवसेना के सांसद गजानन कीर्तिकर का बयान मचा रहा घमासान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र की सियासत में उठा पठक का दौर जारी। अभी हाल ही में शरद पवार की एनसीपी अध्यक्ष का पद को लेकर हाई वोल्टेज ड्रामा चला। फिर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद उद्धवगुट शिवसेना शिंदे सरकार में वार-पलटवार चला। अब शिंदे व भाजपा के बीच में खटपट की खबरें आ रही है। उधर कांग्रेस में भी सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है वहा के प्रदेश अध्यक्ष के खिलाफ कुछ नेता लामबंद हो गए हैं।

गौरतलब हो कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना के सांसद गजानन कीर्तिकर के बयानों पर पर्दा डालते हुए बीजेपी नेता व राज्य के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव में सीट बंटवारे को लेकर शिंदे सेना से कोई चर्चा नहीं हुई है। जब चर्चा होगी, तो उसकी जानकारी दी जाएगी। फडणवीस ने सफाई दी कि बीजेपी और शिवसेना के बीच किसी प्रकार का कोई विवाद नहीं है। गौरतलब है कि शिंदे सेना के सांसदों ने हाल ही में एक बैठक आयोजित की थी। इसमें उन्होंने लोकसभा की 22 सीटों पर दावा किया। उद्धव सेना से अलग होकर शिंदे खेमे में शामिल होने वाले 13 सांसदों को उनकी संबंधित सीटों पर बरकरार रखे जाने को लेकर चर्चा हुई। शेष पांच सीटों के साथ ही शिंदे गुट ने रायगड, शिरूर, औरंगाबाद और अमरावती पर भी अपना दावा किया है। शिंदे सेना के सांसद गजानन कीर्तिकर ने आरोप लगाया कि बीजेपी शिंदे गुट के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है। इसकी जानकारी मुख्यमंत्री को देने की बात तक कही। कीर्तिकर के बयान को शिंदे सेना और बीजेपी में फूट के तौर पर देखा जा रहा है।

लोकसभा चुनाव को लेकर 2-3 जून को होगी कांग्रेस की बैठक

आगामी लोकसभा चुनाव की पूर्व तैयारियों के लिए महाराष्ट्र कांग्रेस ने तिलक भवन में 2 और 3 जून को अहम बैठक बुलाई है। महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में सभी दिग्गज नेता और जिलाध्यक्ष शामिल होंगे। बैठक के बारे में महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा कि कांग्रेस का उद्देश्य बीजेपी को हराना है और पार्टी ने आगामी लोकसभा चुनाव पूरी ताकत के साथ लड़ने के लिए संकल्प लिया है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी को भारी मतों से जीत मिली है। इस जीत से कांग्रेस कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार हुआ है। महाराष्ट्र में भी भारतीय जनता पार्टी को पराजित होना होगा। बैठक में विधानमंडल में विधायक दल के नेता बालासाहेब थोरात, पूर्व मुख्यमंत्री सुशील कुमार शिंदे, अशोक चव्हाण, पृथ्वीराज चव्हाण, प्रदेश कार्याध्यक्ष नसीम खान, अमरजीत सिंह मन्हास समेत अन्य सदस्य उपस्थित रहेंगे। लोकसभा क्षेत्र के प्रमुख नेता, जिला प्रभारी, पूर्व सांसद, विधायक, जिला अध्यक्ष, 2019 के लोकसभा व विधानसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी और जिले के मंडल अध्यक्ष भी मौजूद रहेंगे।

टेंशन मत लो : फडणवीस

पत्रकारों से बातचीत करते हुए फडणवीस ने कहा कि सीटों के बंटवारे को लेकर अभी कोई चर्चा नहीं हुई है, इसलिए टेंशन मत लो। कीर्तिकर के बयान के बाबत पूछने पर फडणवीस ने कहा कि कीर्तिकर ने ऐसी कोई बात नहीं कही है। ये पूरी खबर बेबुनियाद है। सीटों के बंटवारे को लेकर किसी से भी कोई चर्चा ही नहीं हुई। जब होगी तो आपको बताया जाएगा। हमारी युति में कोई विवाद नहीं है।

चिंता करने की जरूरत नहीं : एकनाथ शिंदे

लोकसभा चुनाव में सीट बंटवारे पर हुई चर्चा के बाबत मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने भी सफाई दी है। उन्होंने कहा कि शिवसेना और बीजेपी बहुत पुराने दोस्त हैं। सब व्यवस्थित होगा, किसी को चिंता करने की जरूरत नहीं है।

पटोले के खिलाफ भी नाराजगी

महाराष्ट्र कांग्रेस में अध्यक्ष नाना पटोले के खिलाफ एक बार फिर से नाराजगी के स्वर उठे हैं। नाना पटोले के खिलाफ असंतोष तीव्र हो चुका है कि उनकी शिकायत लेकर पूर्व मंत्री विजय वडेट्टीवार, आदिवासी प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवाजीराव मोघे और पूर्व मंत्री सुनील केदार दिल्ली दरबार पहुंच गए हैं। हालांकि, इस मुद्दे पर नाना पटोले ने कहा कि महाराष्ट्र के कुछ कांग्रेसी नेता पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से मिलने दिल्ली गए हैं पर इससे क्या फर्क पता है। वहीं सियासत के जानकार कहते हैं कि महाराष्ट्र कांग्रेस में एक बड़े भूकंप के आने के संकेत मिल रहे हैं। बता दें कि पटोले के महाराष्ट्र की कमान संभालने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण, विधानमंडल में पार्टी के नेता बालासाहेब थोरात जैसे कई दिग्गज नेता अलग-थलग पड़ गए हैं। कांग्रेस के असंतुष्ट नेताओं का कहना है कि इन नेताओं को फिर सक्रिय करने से पार्टी को फायदा होगा।

नीतीश की कोशिश कितना लाएगी रंग

- मोदी विरोधी गुटबंदी की कोशिश
- कांग्रेस की कर्नाटक जीत का भी पड़ेगा असर
- कर्नाटक की जीत के बाद कांग्रेस को मिली ताकत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कर्नाटक में कांग्रेस की जीत के बाद गैरभाजपा दलों का खुश होना स्वाभाविक है। बंगलुरू में 20 मई को हुए सिद्धारमैया के शपथ ग्रहण समारोह में जुटे विपक्षी नेताओं की मौजूदगी हालांकि सिर्फ सांकेतिक ही नजर आई। विपक्षी राजनीति का कोई ठोस संकेत नहीं मिला। इसके बावजूद बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पूरी शिद्दत से विपक्षी एकता की कमान थाम लेने की कोशिश में जुटे हुए हैं।

उन्होंने नए संसद भवन के उद्घाटन से लेकर नीति आयोग की बैठक तक का बहिष्कार कर अपने को विपक्ष का बड़ा नेता दिखाने की कोशिश की साथ हर कांग्रेस के करीबी होने का भी संदेश दिया। उन्ही की राह पर आज कल दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल भी चल पड़े हैं वह केंद्र सराकर केअध्यादेश के खिलाफ देश भर के भाजपा विरोधी दलों की सरकारों वाले राज्यों घूम-घूम कर समर्थन मांग रहें है। सियासी जानकारों की माने तो ये सारी कवायद 2024 चुनाव को लेकर है। केजरीवाल व नीतीश मोदी सरकार को हटाने में जुटें हैं। कितनी कामयाबी मिलेगी ये तो आने वाला वक्त बताएगा।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और मौजूदा अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के साथ हुई मुलाकात को इसी नजरिये से देखा जा सकता है। लेकिन सवाल यह है कि क्या इन मुलाकातों के बावजूद कांग्रेस क्या विपक्षी एकता के लिए अपने नेतृत्व को कुरबान करने को तैयार होगी? कर्नाटक की जीत के बाद कांग्रेस क्या विपक्षी गोलबंदी में उसी तरह नेपथ्य या पृष्ठभूमि में रहने को तैयार होगी, जैसे कर्नाटक चुनाव के पहले तक दिख रही थी?इन सवालों से जूझने से पहले अतीत में चले केंद्रीय सत्ता विरोधी अभियानों की चर्चा करना उचित होगा। जिस तरह नीतीश प्रधानमंत्री मोदी विरोधी मुहिम की अगुआई करने की कोशिश में जुटे हैं, उससे लगता है कि उन्होंने हर हाल में मोदी को उखाड़ फेंकने का संकल्प ले लिया है। दो महीने पहले उनके सिपहसालार राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन ने अपनी अध्यक्षता में जनता दल यू की कार्यकारिणी का गठन किया था, लेकिन तब पार्टी के बड़े नेताओं में शुमार केसी त्यागी को कोई जगह नहीं मिली थी। ऐसा नहीं हो सकता कि त्यागी की रूखसती बिना नीतीश की मर्जी के हुई होगी। नीतीश भी जनता दल यू के वैसे ही आलाकमान हैं, जैसे वंशवादी दलों का आलाकमान है। जनता दल यू में भी अध्यक्ष की हैसियत नीतीश के सामने कुछ भी नहीं है। लेकिन मोदी विरोधी अभियान छेड़ने के बाद उन्हीं केसी त्यागी की उपयोगिता नीतीश कुमार को समझ आने लगी। केसी त्यागी के संबंध तमाम पार्टियों के नेताओं से हैं। नीतीश की उम्मीद है कि विपक्षी लामबंदी में केसी त्यागी के राजनीतिक रिश्ते सहयोगी हो सकते हैं।

मुस्लिम वोट बैंक पर सबकी नजर

विपक्षी राजनीति के दिग्गजों में कांग्रेस के साथ दिखने में कर्नाटक चुनावों के बाद हिचक दिख रही है। हिचक की वजह है मुस्लिम वोट बैंक। कर्नाटक में समूचा मुस्लिम वोट बैंक कांग्रेस के साथ ही चला गया। मुस्लिम वोटरों के बारे में मान्यता है कि चाहे वह कोलकाता हो या दिल्ली का या बनारस का, कासरगोड का हो या कहीं और का, वह तकरीबन एक ही तरह से सोचता है। कर्नाटक में जिस तरह कांग्रेस का मुस्लिम वोटरों ने एक मुश्त समर्थन किया है, उससे कई भाजपा विरोधी क्षेत्रीय दल सशंकित हैं। विशेषकर ममता बनर्जी और अखिलेश यादव जैसे नेताओं की चिंता सबसे ज्यादा बढ़ी है। उत्तर प्रदेश में जहां करीब 18 प्रतिशत मुस्लिम वोटर हैं, वहीं पश्चिम बंगाल में करीब 30 प्रतिशत मुस्लिम मतदाता हैं। राम मंदिर आंदोलन के बाद जहां उत्तर प्रदेश का मुस्लिम मतदाता अखिलेश की समाजवादी

पार्टी के साथ रहा है, वहीं पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के उभार के बाद मुस्लिम वोटर लगातार उन्हीं के साथ गोलबंद होता रहा है। इन राज्यों में खालिस मुस्लिम मुद्दों को लेकर आई हैदराबादी पार्टी ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन यानी एआईएमआईएम को ना तो उत्तर प्रदेश के चुनावों में समर्थन मिला, ना ही पश्चिम बंगाल के चुनावों में। हैदराबाद से कर्नाटक की दूरी ज्यादा नहीं है, लेकिन कर्नाटक विधानसभा चुनाव में एआईएमआईएम को एक प्रतिशत से भी कम वोट मिले। भारतीय राजनीति में बीजेपी के उभार के बाद सांप्रदायिकता विरोधी लामबंदी के बहाने भाजपा विरोधी दल मुस्लिम वोट बैंक का साथ हासिल करने की कोशिश करते रहे हैं। अतीत में इस वोट बैंक पर सिर्फ कांग्रेस का ही असर होता था। लेकिन राम मंदिर आंदोलन के उभार और सामाजिक न्याय की राजनीति के बढ़ते प्रभाव के दौर में मुस्लिम वोट बैंक कांग्रेस से दरकता हुआ हर उस दल के इर्द-गिर्द इकट्ठा होता चला गया, जो स्थानीय स्तर पर उन दलों के साथ जुड़ता गया, जिनसे उन्हें सांप्रदायिकता विरोध के नाम पर भाजपा को हराने की उम्मीद थी। उसकी इस उम्मीद को उत्तर प्रदेश में साल 2012 तक समाजवादी पार्टी ने पूरी किया तो बिहार में लालू यादव के राष्ट्रीय जनता दल ने पूरा किया। इसी तरह मुस्लिम वोट बैंक की उम्मीदों का पतवार पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के हाथ सुरक्षित नजर आया।

1987 के विपक्षी अभियानों को याद दिला रहे नीतीश

नीतीश की कोशिशों से 1987 के विपक्षी अभियानों की याद आना स्वाभाविक है। तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी बोफोर्स दलाली के आरोपों से जूझ रहे थे। विश्वनाथ प्रताप सिंह की अगुआई में अरूण नेहरू, रामधन, आरिफ मोहम्मद खान और सतपाल मलिक ने कांग्रेस से अलग राह अपना ली थी। तब नीतीश कुमार, शरद यादव के आदमी माने जाते थे और उन दिनों शरद के राजनीतिक बॉस देवीलाल का हरियाणा की सत्ता पर कब्जा था। तब उन्होंने राजीव विरोधी परिवर्तन रथ चला रखा था। उन दिनों आंध्र प्रदेश के नेता नंदमुरि तारक रामाराव ने तेलुगूदेशम पार्टी के बैनर तले यात्रा निकाल रखी थी। 1987 में समूचे विपक्ष को एक होने का मौका इलाहाबाद उपचुनाव से मिला था, जिसमें राजीव के लेफ्टिनेंट रहे वीपी सिंह उतरे थे और कांग्रेस के उम्मीदवार और उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री सुनील शास्त्री को हरा दिया था। सुनील शास्त्री बाद में भाजपा में शामिल हो गए थे।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

जेवलिन थ्रोअर नीरज की एक और उपलब्धि

2021 में टोक्यो ओलंपिक में भारत को एथलेटिक्स में सोना दिलाने का इतिहास रचने के बाद भारत के स्टार जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा ने एक बार फिर नया इतिहास रच दिया है। टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले वह भारत के इकलौते खिलाड़ी थे और ओलंपिक खेलों के इतिहास में एथलेटिक्स में स्वर्ण पदक जीतने वाले भी वह भारत के पहले एथलीट थे।

धीरे-धीरे भारतीय एथलीट व भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा दुनिया में अपने खेल के दम और नाम कमाते जा रहे हैं। हाल ही में मौजूदा विश्व रैंकिंग में नीरज 1455 अंकों के साथ अब शीर्ष स्थान पर कब्जा कर लिया है। उनकी कामयाबी और बढ़े ऐसा पूरे देश के खेलप्रेमी चाहते हैं। उन्होंने भी वादा किया है आगामी विश्व स्तरीय स्पर्धाओं में जीत हासिल करने की पूरी कोशिश करेंगे। उन्होंने ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स 1433 अंकों के साथ उनकों दूसरे स्थान पर धकेल दिया है। तीसरे स्थान पर 1416 अंकों के साथ चेक रिपब्लिक के जाकूब वादलेच हैं। 2021 में टोक्यो ओलंपिक में भारत को एथलेटिक्स में सोना दिलाने का इतिहास रचने के बाद भारत के स्टार जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा ने एक बार फिर नया इतिहास रच दिया है। टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले वह भारत के इकलौते खिलाड़ी थे और ओलंपिक खेलों के इतिहास में एथलेटिक्स में स्वर्ण पदक जीतने वाले भी वह भारत के पहले एथलीट थे। अब नीरज महान एथलीट एंडरसन पीटर्स को पीछे छोड़ते हुए अपने कैरियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग हासिल कर पुरुषों की विश्व रैंकिंग में नए नंबर-1 एथलीट बन गए हैं और इस रैंकिंग के साथ नीरज का नाम इतिहास के पन्नों में सदा के लिए दर्ज हो गया है।

यह रैंकिंग हासिल करने वाले वह भारत के पहले एथलीट बने हैं। नीरज ने 5 मई को दोहा में हुए डायमंड लीग में 88.67 मीटर की दूरी पर भाला फैंककर स्पर्धा जीती थी और उसी बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत ही उन्हें अब विश्व रैंकिंग में पहला स्थान मिला है। टोक्यो ओलंपिक के रजत पदक विजेता जाकूब वादलेच दोहा डायमंड लीग में भी दूसरे स्थान पर रहे, जिन्होंने 88.63 मीटर की दूरी पर भाला फैंका जबकि विश्व चैम्पियन एंडरसन पीटर्स 85.88 मीटर की दूरी पर भाला फैंककर तीसरे स्थान पर रहे। चौथे नंबर पर जर्मनी के जूलियन वीबर और पांचवें स्थान पर पाकिस्तान के अरशद नदीम हैं। अगस्त 2022 से अब तक नीरज विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर थे जबकि विगत 8 महीनों से एंडरसन पीटर्स नंबर 1 पर विराजमान थे लेकिन दोहा डायमंड लीग के मैच में शानदार प्रदर्शन कर पीटर्स को पीछे छोड़ते हुए नीरज अब दुनिया के नंबर वन जेवलिन थ्रोअर बन गए हैं। वैसे नीरज टोक्यो ओलंपिक में इतिहास रचने के बाद से ही विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय स्पर्धाओं में कमाल का प्रदर्शन कर रहे हैं। पिछले साल अमेरिका के ओरेगन में आयोजित विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में रजत पदक जीतकर नीरज विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में रजत पदक जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने थे। 140 करोड़ भारतवासी उनकों बधाई देते हुए उनको और आगे बढ़ने की शुभकामनाएं भी दे रहे हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

श्रमयोगियों के पसीने से महकता लोकतंत्र

विवेक शुक्ला

देश को कल उसकी नई संसद की शानदार इमारत मिलने जा रही है। सैकड़ों अनाम मजदूरों के दिन-रात के श्रम से खड़ी हुई है यह। इसका निर्माण कार्य तब भी जारी रहा था जब कोरोना की दूसरी लहर से त्राहि-त्राहि मची हुई थी। इसे तामील करने में आधुनिक मशीनों का भी खासा योगदान रहा। जबकि जिस संसद भवन (पहले काउंसिल हाउस) का 1927 में उद्घाटन किया गया था उसे खड़ा करने में मजदूरों का सिर्फ श्रम लगा था। उन्होंने धौलपुर से लाये गये भारी पत्थरों को हाथों से उठा-उठाकर संसद को बनाया था। बहरहाल, नई संसद को बनाने में मुख्य रूप से पश्चिम बंगाल, झारखंड, उड़ीसा और कुछ बिहारी मजदूरों ने पसीना बहाया।

ये सब ठेकेदार के मुलाजिम थे और संसद भवन का काम पूरा होने के बाद प्रगति मैदान और मिंटो रोड में चल रहे दूसरे केन्द्र सरकार के निर्माण कामों से जुड़ गए हैं। इनमें से कुछ बिजली और कुछ पलम्बर का काम भी सही से जानते हैं। इन्हें यहां 8 घंटों की शिफ्टों में काम करना पड़ा था। हर महीने 15 हजार रुपये पगार और दोनों वक्त का भोजन। इसके अलावा मेडिकल सुविधा भी। ओवर टाइम भी मिलता रहा। राजधानी में सेंट्रल विस्टा और अन्य परियोजनाओं को पूरा करने के लिए हजारों मजदूर यहां आए हुए हैं। ये सब वापस तो अपने गृह प्रदेशों में जाने वाले नहीं हैं। ये एक प्रोजेक्ट के खत्म होने के बाद अगले प्रोजेक्ट से जुड़ जाते हैं। तब मजदूर बिहार से काफी तादाद में आते थे। अब बिहार से आने वाले मजदूरों की संख्या निश्चित रूप से बहुत घटी है। जब संसद भवन का निर्माण चल रहा था तब शाम के पांच बजे ये श्रमिक चाय पीने के लिए संसद भवन परिसर से बाहर आ जाया करते थे। ये बाहर किसी चाय के ठीये में खड़े होकर चाय पीते हुए मिलते थे। कुछ मोबाइल पर अपने घरों में बतिया भी रहे होते थे। इनके सिरों पर हेल्मेट होते थे। अब इस तरह का नजारा आपको प्रगति भवन के बाहर देखने को मिल सकता है। वहां पर जी-20 शिखर सम्मेलन का कन्वेंशन सेंटर बन रहा है।

खैर, 1927 और 2023 के बीच राजधानी बहुत बदल गई है। यह स्वाभाविक भी है। पहले संसद भवन का उद्घाटन 18 जनवरी, 1927 को तत्कालीन गवर्नर-जनरल लॉर्ड इरविन ने किया था। नए संसद भवन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करेंगे। उन्होंने नई संसद भवन इमारत की 9 दिसंबर, 2020 को आधारशिला रखी

थी। सरकार ने टाटा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड को ठेका दिया था कि वह नये संसद भवन को खड़ा करे। इसका डिजाइन तैयार करने की जिम्मेदारी अहमदाबाद की मैसर्स एचसीपी डिजाइन, प्लानिंग एण्ड मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड को सौंपी गई थी। इसने मुंबई पोर्ट काम्प्लेक्स, गुजरात राज्य सचिवालय, आईआईएम, अहमदाबाद आदि के बेहतरीन डिजाइन तैयार किये हैं। इस बीच, पहले संसद भवन के ठेकेदार सिंध के लछमन दास नाम के सज्जन थे। तब लगभग सभी मजदूर राजस्थान के धौलपुर, जयपुर, जोधपुर, भीलवाड़ा वगैरह से थे। ये सपत्नीक आए थे। इन्हें शुरुआती दिनों में पहाड़ी धीरज और करोल बाग में रहने की जगह मिली थी। खुशवंत सिंह ने अपने निबंध 'रोमांस आफ दिल्ली' में लिखा है, 'लछमन दास सच्चाई और नेक-नीयती की मिसाल थे। उन्होंने संसद भवन के निर्माण में कभी घटिया सामग्री का इस्तेमाल नहीं किया। वे अपने मुलाजिमों को वक्त पर वेतन देते थे।' खुशवंत सिंह ने इतनी प्रशंसा तो अपने पिता सोबा सिंह की या अन्य किसी ठेकेदार की भी नहीं की थी। सबको पता है कि उनके पिता ने नई दिल्ली की अनेक इमारतों को ठेकेदार के रूप में बनाया था। दरअसल लछमन दास बेहद मानवीय संवेदनाओं के व्यक्ति थे। वे संसद भवन के निर्माण में लगे मजदूरों के साथ घुल-मिलकर रहते थे। ये सब अपने गांव-देहातों से पैदल ही दिल्ली आए थे। जरा सोचिए कि कितना बलिदान दिया था उन्होंने संसद भवन को बनाने में। इन सीधे-सरल मजदूरों को रोज एक रुपये और महिला श्रमिकों को अठन्नी मजदूरी के लिए मिलते थे। अगर मजदूर मुख्यरूप से राजस्थान से यहां पर आए थे, तो संगतराश आगरा और मिर्जापुर से थे। कुछ भरतपुर से भी थे। ये सब पत्थरों पर नक्काशी और जालियों को बनाने के काम करने में उस्ताद थे। इनके पूर्वजों ने ही ताजमहल, लालकिला, जामा मस्जिद जैसे महत्वपूर्ण स्मारकों का निर्माण किया था। खुशवंत सिंह बताते थे कि इन राजस्थानी मजदूरों को बागड़ी कहा जाता था।

बहरहाल, आजकल जो मजदूर राजधानी में आए हुए हैं, उनमें राजस्थान का रहने वाला शायद ही कोई हो। जो मजदूर तब आए थे वे सब इस दिल्ली का हिस्सा बन गए थे। उनके वंशज अब दिल्ली को समृद्ध कर रहे हैं। बहरहाल, संसद भवन का जब उद्घाटन हुआ था तब वहां पर लछमन दास भी थे।

प्रतिबद्ध विकास और नवाचार के नौ साल

मनोहर लाल

कोरोना सरीखी खौफनाक महामारी और वैश्विक आर्थिक मंदी की आहटों के बीच भी नवाचार के जरिये प्रतिबद्ध और सतत विकास से नरेंद्र मोदी सरकार ने साबित कर दिया है कि इरादा नेक और संकल्प अटल हो तो कुछ भी असंभव नहीं। विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश भारत आजादी के छह दशक बाद भी किस तरह चुनौतियों से घिरा था, किसी से छिपा नहीं है। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में ऐतिहासिक जनादेश के बाद जब नरेंद्र मोदी सरकार केंद्र में सत्तारूढ़ हुई, तब देश में निराशा का माहौल था। अनेक घोटालों के खुलासे के बाद तत्कालीन संप्रग सरकार जिस तरह नीतिगत जड़ता की शिकार हो कर रह गयी थी, उससे खासकर युवाओं में अपने वर्तमान और भविष्य को लेकर हताशा बढ़ती जा रही थी।

नि:संदेह वर्ष 2014 का सत्ता परिवर्तन दरअसल व्यवस्था परिवर्तन भी था, जो देश को निराशा-हताशा के अवसाद से निकाल सके। विशाल देश में यह काम आसान नहीं था, लेकिन चुनाव प्रचार के पहले से ही मोदी विकास के गुजरात मॉडल पर चर्चा करते हुए देशवासियों में यह विश्वास जगाने की प्रक्रिया शुरू कर चुके थे कि भारत की सामर्थ्य पर संदेह नहीं करना चाहिए। भारत के लोग मूलत: ईमानदार और मेहनतकश हैं। उनको सही नेतृत्व और माहौल मिले तो वह दुनिया की बड़ी-से-बड़ी चुनौती से पार पाने में समर्थ हैं। नरेंद्र मोदी सरकार ने पहला बड़ा काम यही किया कि देशवासियों में उनकी सामर्थ्य के प्रति विश्वास जगाया और फिर विकास प्रक्रिया में उन्हें भागीदार भी बनाया। छोटी पहल भी कितने बड़े परिणाम दे सकती है, स्वच्छता तथा बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान इसके उदाहरण हैं। सरकारी तंत्र की जिम्मेदारी-जवाबदेही से इनकार नहीं किया जा सकता, लेकिन इतिहास गवाह है कि बड़े सामाजिक बदलाव समाज की सहभागिता से ही आते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने गांधी जयंती पर जब देशवासियों से स्वच्छता अभियान का आह्वान किया, तब शायद कम लोग उनके मन की बात समझ पाये होंगे, लेकिन स्वच्छता के प्रति बढ़ती जागरूकता, जन भागीदारी और बेहतर रैंकिंग के लिए शहरों के बीच स्पर्धा उसके अप्रत्याशित प्रभाव का प्रमाण है। हरियाणा समेत कुछ राज्यों में बिगड़ता लैंगिक अनुपात लंबे समय से चिंता का विषय रहा है। पहली बार किसी प्रधानमंत्री ने इस गंभीर समस्या के समाधान में सामाजिक भागीदारी की अनूठी पहल की और सुखद परिणाम सामने हैं।

बैंकों के राष्ट्रीयकरण के बावजूद बैंकिंग व्यवस्था हमारे यहां खासकर गरीब ग्रामीणों के लिए सपना ही बनी रही, लेकिन मोदी सरकार की जन-धन योजना ने अचानक तस्वीर बदल दी। इस योजना की सफलता और इसके वांछित परिणामों का अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि इसके तहत खोले गये बैंक खातों की संख्या 49 करोड़ तक पहुंचने वाली है। जन धन योजना तो एक उदाहरण है। मोदी सरकार के अभी तक के नौ वर्ष के कार्यकाल में जिस तरह अर्थव्यवस्था का डिजिटलीकरण किया गया है, उसने जन कल्याणकारी योजनाओं को नयी गति प्रदान करते हुए भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है।

इस पारदर्शी बदलाव का ही परिणाम है कि आज विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों के बैंक खाते में सीधा पैसा जा रहा है, उन्हें किसी के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं रही। काले धन तथा उससे पोषित आतंकवाद और नशे के कारोबार के खात्मे के लिए नोटबंदी सरीखा साहसिक कदम उठाया गया तो एक देश-एक कर की अवधारणा को साकार करने के लिए अरसे से लंबित जीएसटी लागू किया गया। विभिन्न कारणों से घटते सरकारी रोजगारों के मद्देनजर स्टार्टअप और मुद्रा लोन के जरिये स्वरोजगार के नये द्वार खोले गये हैं, जो रोजगार के नये अवसर सृजित करने के अलावा आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना के जरिये बेघरों को घर मिल रहा है, तो सौभाग्य योजना के जरिये उसमें उजाला भी हो रहा है। उज्ज्वला योजना से गरीब की रसोई में भी गैस पहुंची है और उन्हें स्वास्थ्य के लिए हानिकारक धुएं से मुक्ति मिली है। आयुष्मान भारत के जरिये सभी को स्वास्थ्य सुविधाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। यह नरेंद्र मोदी और उनके नेतृत्व वाली भाजपा सरकार की जन कल्याणकारी प्रतिबद्धता का ही परिणाम है कि गांव, गरीब, कृषि और किसान को भी समग्र विकास यात्रा में सहभागी बनाया गया है। किसान सम्मान राशि सीधे किसानों के खाते में जा रही है। कोरोना काल से शुरू लगभग 80 करोड़ गरीबों को मुफ्त राशन की व्यवस्था आज भी जारी है।

आलोचना करना आसान होता है, पर मोदी सरकार ने कोरोना महमारी का जिस तरह मुकाबला किया, उसकी विकसित देशों तक में प्रशंसा हुई। त्वरित गति से कोरोना की भारतीय वैक्सीन विकसित करना और विशाल आबादी को चरणबद्ध ढंग से वैक्सीन लगाना सरकार की दृढ़ संकल्प शक्ति और चिकित्सा क्षेत्र के समर्पण भाव से ही संभव हो पाया। हमने अपने देशवासियों को ही वैक्सीन नहीं लगायी, बल्कि वसुधैव कुटुंबकम की अपनी संस्कृति के अनुरूप दूसरे देशों को भी वैक्सीन दी। देश की दशा और दिशा बदलने वाले और भी कदम इन नौ सालों में उठाये गये हैं। अनुच्छेद 370 के तहत जम्मू-कश्मीर को प्राप्त विशेष दर्जा आजादी के सात दशक बाद भी एक देश में दो विधानवाली पीड़ादायक स्थिति थी। मोदी सरकार ने उसकी समाप्ति की वैचारिक प्रतिबद्धता को निभाया।

पेट की ब्लोटिंग और गैस में चाय से मिलेगी राहत

ब्लोटिंग एक ऐसी समस्या है, जो आपका पूरा दिन बिगाड़ सकती है। सुबह उठते ही अगर पेट में सूजन महसूस हो या फिर वो गुब्बारे की तरह फूला हुआ दिखे तो यह बहुत तनावपूर्ण हो जाता है। इससे राहत पाने के लिए लोग क्या कुछ नहीं करते। व्यायाम से लेकर गर्म पानी की चुस्की तक ब्लोटिंग से राहत पाने के लिए आप ने भी कई उपाय अपनाए होंगे। लेकिन क्या आप जानते हैं कि वास्तव में इसे लेकर इतना परेशान होने की जरूरत नहीं है। जी हां, हम आपको कुछ ऐसे सरल उपाय बताने जा रहे हैं, जिसकी मदद से आप पेट की इस अनचाही स्थिती से काफी राहत पा सकते हैं।

नींबू की चाय

बहुत से लोगों को लगता है कि सुबह-सुबह नींबू की चाय का सेवन केवल वजन कम करने वालों के लिए है। लेकिन ऐसा नहीं है। अगर आपको ब्लोटिंग या गैस की समस्या है और पेट फूलना कम करना चाहते हैं, तो नींबू इसमें आपकी मदद करेगा। एक अध्ययन के मुताबिक नींबू पाचन संबंधी समस्याओं को ठीक करने में सक्षम है और सूजन को भी कम करने में मदद करता है।

पुदीने की चाय

पुदीने का ठंडापन और ताजगी देने वाला गुण ब्लोटिंग को ठीक करने में प्रभावी ढंग से काम कर सकता है। इसके सेवन से पेट में जलन पैदा करने वाली एसिडिटी भी शांत होती है। पुदीना सूजन और पाचन संबंधी समस्याओं को जल्द से जल्द शांत करता है। इतना ही नहीं अगर आपके पेट में ऐंठन है या खाना हजम नहीं हो रहा है, तो पुदीना आपको राहत दिला सकता है।

अदरक की चाय

अदरक की चाय सिर्फ केवल गले को ही नहीं बल्कि पेट को भी काफी आराम देती है। ब्लोटिंग से छुटकारा पाने के लिए यह एक सही तरीका है। अगर आंत में सूजन शुरू हो जाती है, तो अदरक की चाय इससे राहत दिलाने के लिए सबसे सही है। इसके सेवन से आंतों को स्वास्थ्य रखने में मदद मिलती है और यह सब इसमें मौजूद जिंजरोल के कारण होता है। ब्लोटिंग के अलावा अदरक की चाय पीरियड क्रैम्प्स से राहत दिलाने में भी फायदेमंद है। बस थोड़ा सा पानी गर्म करें और इसमें एक चम्मच अदरक का रस और अंत में शहद मिलाएं।

सौंफ की चाय

शरीर में हाई सोडियम के कारण गैस की समस्या हो सकती है। वहीं अपच भी इसे बदतर बनाने में बहुत बड़ी भूमिका निभाता है। ऐसे में सौंफ इससे बचाव कर सकता है। सौंफ हमेशा से लोगों को गैस, एसिडिटी और सूजन से बचाता आया है। इसीलिए तो खाने के बाद सौंफ का सेवन किया जाता है। ऐसे में सौंफ की चाय आपको काफी राहत दिला सकती है। बस एक बड़ा चम्मच सौंफ को पीस लें, उन्हें 10 मिनट के लिए पानी में उबालें और गुनगुना होने दें। अब इसे छान लें और पीएं। इस चाय को और भी स्वादिष्ट बनाने के लिए इसमें शहद भी मिला सकते हैं।

बबूने के फूल की चाय

गहरी और सुकूनदायक नींद के लिए जानी जाने वाली कैमोमाइल टी आपकी ब्लोटिंग की परेशानी को भी दूर कर सकती है। कैमोमाइल टी एक ऐसा पेय पदार्थ है, जिसके कई फायदे हैं। पेट फूलने से इसके कई क्षेत्र में अत्यधिक दर्द हो सकता है। इसके लिए कैमोमाइल टी सबसे अच्छा उपाय है। कैमोमाइल चाय पाचन संबंधी समस्याओं के लिए बहुत अच्छी होती है, जिससे दर्द और सूजन कम होती है। अच्छी नींद आने का एक यह भी कारण है।

हंसना मना है

गुरु जी- बस इरादे बुलंद होने चाहिए, पत्थर से भी पानी निकाला जा सकता है। लड़का- मैं तो लोहे से भी पानी निकाल सकता हूं! गुरु जी- कैसे...? लड़का- हैंडपंप से!

लड़की- मेरे पापा ने मुझे नया मोबाइल खरीद कर दिया, लड़का- अरे वाह, कौन सी कंपनी का? लड़की- लावारिस, लड़का- अरे अक्ल की अंधी वो लावारिस नहीं LAVA IRIS है।

दामाद 14 दिनों से ससुराल में था, सास- दामाद जी, कब वापस जा रहे हो? दामाद- क्यों? सास- बहुत दिन हो गए, दामाद- आपकी बेटी तो दस-दस महीने मेरे यहां रह रही है, मैंने तो जाने को नहीं बोला, सास- दामाद जी, वो तो आपके यहां ब्याही गई है न। दामाद- और मैं क्या यहां अपहरण करके लाया गया हूं?

एक बार पति-पत्नी घूमने जा रहे थे... रास्ते मे गधा मिला, पत्नी को मजाक सूझी... पत्नी - आपके रिश्तेदार हैं, नमस्ते करो, पति भी कम नहीं था बोला, ससुर जी नमस्ते।

टीचर- बताओ तुम्हारा होमवर्क कहां है? पप्पू- मैडम फेसबुक पर चेक करिए, मैंने स्क्रीनशॉट अपलोड कर दिए हैं और आपको टैग भी कर दिया है!!

कहानी | कुएं का पानी

एक किसान को अपने खेतों को सींचने के लिए पानी की जरूरत थी। इसलिए, वह कई दिनों से अपनी जमीन के आसपास किसी कुएं की तलाश कर रहा था। अचानक उसे एक कुआं दिखा। यह कुआं उसके खेतों से बहुत नजदीक था। इसलिए, किसान बहुत खुश हुआ। अगले दिन वह पानी लेने कुएं पर पहुंचा। जैसे ही उसने कुएं के नजदीक रखी बाल्टी कुएं में डाली, वहां एक आदमी आ धमका। वह किसान से बोला, यह कुआं मेरा है। अगर तुम इस कुएं से पानी लेना चाहते हो, तो तुम्हें इस कुएं को खरीदना होगा। फिर क्या था, दोनों के बीच एक रकम तय हुई। किसान के पास उतने पैसे तो थे नहीं, लेकिन वह यह मौका छोड़ना नहीं चाहता था। इसलिए, किसान ने उस आदमी को अगले दिन वह रकम देने का वादा किया। घर पहुंचते ही उसने अपने करीबियों और दोस्तों से इस बारे में बात की और कुएं के लिए तय हुई रकम का इंतजाम करने में जुट गया। आखिरकार उसने वह रकम जमा कर ली। अब वह पूरी तरह से निश्चिंत हो चुका था कि उसे कुआं खरीदने से कोई नहीं रोक सकता। इसी सोच में वह पूरी रात सो नहीं सका। अगले दिन सुबह होते ही वह कुआं खरीदने निकल पड़ा। उस आदमी के घर पहुंच किसान ने उसके हाथ पर पैसे रखे और कुएं को खरीद लिया। जैसे ही किसान ने कुएं से पानी निकालने के लिए बाल्टी उठाई, उस आदमी ने फिर बोला ठहरो, तुम इस कुएं से पानी नहीं निकाल सकते हो। मैंने तुम्हें कुआं बेचा है, कुएं का पानी अभी भी मेरा है। किसान मायूस हो गया और न्याय के लिए राजा के दरबार में शिकायत करने पहुंच गया। राजा अकबर ने उस किसान की पूरी कहानी सुनी और फिर उस आदमी को दरबार में बुलाया, जिसने वह कुआं बेचा था। राजा ने उससे पूछा, जब तुमने इस किसान को अपना कुआं बेच दिया, तो फिर इसे पानी क्यों नहीं लेने दे रहे हो। आदमी बोला, महाराज मैंने इसे केवल कुआं बेचा था, पानी नहीं। उन्होंने कहा कि बात तो यह पते की कह रहा है, कुआं बेचा है, पानी तो नहीं। उन्होंने बीरबल को बुलाया। बीरबल ने एक बार फिर दोनों से उनकी समस्या पूछी। पूरी बात जानने के बाद बीरबल ने उस आदमी से कहा ठीक है, तुमने कुआं बेचा पानी नहीं। फिर तुम्हारा पानी किसान के कुएं में क्या कर रहा है? कुआं तुम्हारा नहीं है, फौरन अपने पानी को कुएं से बाहर निकालो। बीरबल का इतना कहते ही, उस आदमी को समझ आ गया कि अब उसकी चालाकी किसी काम नहीं आने वाली। उसने राजा से फौरन माफी मांगी और माना कि कुएं के साथ उसके पानी पर भी किसान का पूरा अधिकार है। यह देखकर राजा अकबर ने बीरबल की बुद्धिमानी की तारीफ की और कुआं बेचने वाले आदमी पर धोखेबाजी के लिए जुर्माना लगाया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — शेयर मार्केट, म्युचुअल फंड से मनोनुकूल लाभ होगा। बेरोजगारी के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा लाभदायक रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी।

वृषभ — विवाद को बढ़ावा न दें। फालतू खर्च होगा। अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होगा। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। किसी व्यक्ति के बहकावे में न आएं।

मिथुन — यात्रा लाभदायक रहेगी। रुका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। आय में वृद्धि होगी। लाभ में वृद्धि होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा। व्यापार ठीक चलेगा।

कर्क — किसी बड़े काम को करने की तीव्र इच्छा जागृत होगी। आर्थिक उन्नति की योजना बनेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है।

सिंह — धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। तीर्थयात्रा की योजना बनेगी। कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा।

कन्या — विवाद को बढ़ावा न दें। चोट व दुर्घटना के प्रति सावधानी आवश्यक है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

तुला — कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। शत्रु पस्त होंगे। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

वृश्चिक — किसी व्यक्ति के बहकावे में न आएं। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे।

धनु — कानूनी अड़चन सामने आएगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। बेचैनी रहेगी। व्यर्थ दौड़धूप रहेगी। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद प्राप्त होगा।

मकर — कोई बड़ी बाधा उठ खड़ी हो सकती है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें, गुम हो सकती है। विवाद के बढ़ावा न दें। बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें।

कुम्भ — लाभ के अवसर हाथ आएंगे। मेहनत का फल मिलेगा। मान-सम्मान मिलेगा। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

मीन — भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। आत्मसम्मान बना रहेगा। बुद्धि का प्रयोग करेंग। कार्य में सफलता मिलेगी।

बॉलीवुड | मन की बात

भाई की बीमारी को याद कर भावुक हुए फहमान खान

फिल्म और टीवी की यह दुनिया चकाचौंध से भरी है। जब लोग यहां करियर बनाने के लिए आते हैं तो वह इस चकाचौंध को देखकर आकर्षित हो जाते हैं। फहमान भी उन्हीं लोगों में से एक रहे हैं। पिछले कुछ दिन पहले फहमान ने इंडस्ट्री के काले सच के बारे में बताया था। फहमान के इस खुलासे से सभी लोग हैरान हो गए थे। अब हाल ही में, फहमान ने अपने भाई की बीमारी को लेकर कई खुलासे किए हैं। फहमान खान ने सीरियल इमली से टीवी जगत में लोकप्रियता हासिल की थी। दर्शकों को फहमान का अभिनय काफी पसंद आया था। इस शो के बाद फहमान को कई और शोज के भी ऑफर आए। इन सब के बीच फहमान ने अपनी निजी जिंदगी के भी कुछ राज खोले हैं। फहमान ने अपने भाई के बारे बताते हुए कहा कि मेरा भाई और मेरी जर्नी का समय काफी अलग-अलग रहा है इसलिए मुझे उनसे कोई मदद नहीं मिली। मैं जिस किसी से मिला,उन्होंने मुझे ऐसी बातें कहीं जो एकदम बेकार होती थीं। एक व्यक्ति ने मुझसे कुछ ऐसा कहा जो हमेशा के लिए मेरे दिल में रह गया। जब मैंने उनसे कहा कि मैं एक्टिंग को लेकर काफी पैशनेट हूं और दिल से करना चाहता हूं, तो उन्होंने जवाब में कहा कि अगर तुम इतने पैशनेट हो तो यहां क्यों आए हो वापस जाओ और थिएटर में काम करो।'अपने भाई की बिमारी के बारे में बताते हुए फहमान ने कहा कि मेरा भाई मरने से पहले 28 दिनों तक हॉस्पिटल में भर्ती रहा था। सबसे पहले तो मैं लोगों को यह बताना चाहता हूं कि वो ब्लैक फंगस ही था, जिसने उसकी जान ले ली। उनका निधन तब हुआ जब यह पता भी नहीं चला कि कोविड के दौरान ये नया वायरस फैल गया था।' फहमान ने आगे कहा कि यह बहुत ही दिल तोड़ देने वाली बातचीत थी, जो मैंने उनसे उस वक्त की थी। मैं अपना टाइम आएगा की शूटिंग कर रहा था और उन्होंने मुझसे मेरे काम के बारे में पूछा। उन्होंने जो पहली चीज पूछी वो मेरा नाम था। यह देख के मैं इतना दुखी हुआ कि आज तक वह दर्द मेरे सीने में कहीं छुपा हुआ है।

उर्फी ने संगीता-फोगाट की फोटो से छेड़छाड़ करने पर बोलीं-

इतना नीचे मत गिरो

अपने अतरंगी फैशन सेंस को लेकर हमेशा सुर्खियों में बनी रहने वालीं उर्फी जावेद किसी भी मुद्दे पर अपनी राय रखने से परहेज नहीं करतीं। उर्फी न सिर्फ कपड़ों से बोल्ड हैं, बल्कि खुद की बात रखना भी बखूबी जानती हैं। हाल ही में उर्फी ने दो महिला पहलवानों की फोटो से छेड़छाड़ करने के आरोप में नाराजगी जाहिर की। उन्होंने सोशल मीडिया पर आईटी सेल वालों को खूब लताड़ लगाई है। दरअसल, सोशल मीडिया पर एक फोटो वायरल हो रही है, जो कि पहलवान संगीता फोगाट और विनेश फोगाट की है। कोलाज में उनकी फोटो सामने आई है, जिसमें एक फोटो में वह एक बस में कुछ पुलिस वालों के साथ बैठी हैं। इस तस्वीर में दोनों काफी सीरियस लग रही हैं। वहीं, इसके साथ दूसरी फोटो है, जिसमें दोनों हंसती हुई नजर आ रही हैं। उर्फी ने इसी फोटो पर लताड़ लगाई है। संगीता और विनेश फोगाट की मॉर्फड फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। इन दोनों में से एक फोटो असली है, तो दूसरी नकली। उर्फी ने फोटो के साथ की गई छेड़छाड़ पर ट्वीट किया, लोगों को अपने झूठ को साबित करने के लिए फोटो को इस तरह एडिट क्यों करना पड़ता है। किसी को गलत ठहराने के लिए इतना नहीं गिरना चाहिए कि झूठ का सहारा लिया जाए।

कई दिनों से पहलवाल दिल्ली के जंतर-मंतर पर रेस्टलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया चीफ ब्रिज भूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी की मांग करते हुए प्रदर्शन कर रहे हैं। पहलवालों ने इन पर सेक्शुअल हैरेसमेंट का आरोप लगाया है। पहलवानों की यह लड़ाई 15 से भी ज्यादा दिनों से जारी है। रविवार को पुलिसवालों ने इन्हें यहां से हटाने के लिए धक्का दिया, और अभद्र भाषा का प्रयोग भी किया। मारपीट के भी आरोप हैं।

बता दें कि बीते

कटोरी के प्यार पर निहाल हुए कार्तिक बोले-

आपकी लाइफ में भी है कोई ऐसा?

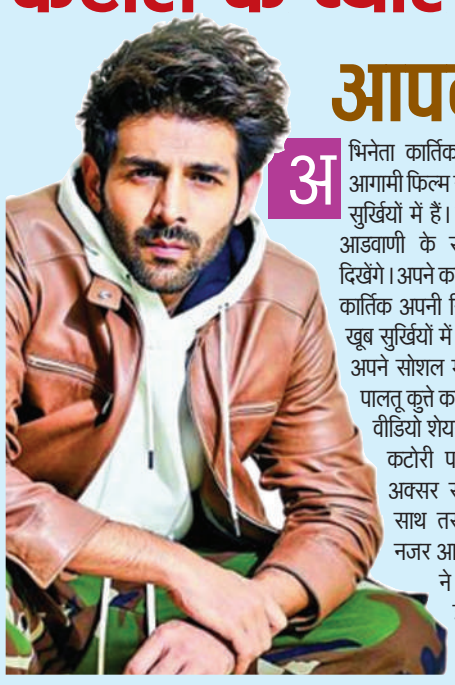

अभिनेता कार्तिक आर्यन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म सत्यप्रेम की कथा को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म में वह कियारा आडवाणी के साथ स्क्रीन शेयर करते दिखेंगे। अपने काम और अभिनय के अलावा कार्तिक अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी खूब सुर्खियों में रहते हैं। हाल ही में उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपने पालतू कुत्ते कटोरी के साथ एक प्यारा सा वीडियो शेयर किया है। कार्तिक आर्यन कटोरी पर जान छिड़कते हैं और अक्सर सोशल मीडिया पर उसके साथ तस्वीरें-वीडियो शेयर करते नजर आते हैं। एक बार फिर एक्टर ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि कार्तिक कटोरी के साथ जमीन पर लेटे हुए हैं। इस दौरान कटोरी एक्टर पर भर-भरकर प्यार लुटाता नजर आ रहा है, जिस पर कार्तिक निहाल हुए जा रहे हैं। यह वीडियो बेहद क्यूट है। वीडियो के साथ उन्होंने नसीब से गाना मिक्स किया है।

बॉलीवुड | मसाला

वीडियो के साथ कार्तिक ने एक नोट लिखा है। उन्होंने लिखा, नसीब से मिला जो ये तेरा साथ है...हर पल मेरे होठों पर तेरी ही बात हो...। इसके साथ कार्तिक आर्यन ने फैंस से पूछा है, आपकी लाइफ में भी ऐसा कोई है? इसके अलावा उन्होंने हैशटैग के साथ लिखा है, सत्यप्रेम की कथा। बता दें कि वीडियो में कार्तिक शर्टलेस लुक में हैं। एक्टर का यह वीडियो फैंस को बेहद पसंद आ रहा है। हर कोई कटोरी और कार्तिक की बॉन्डिंग पर प्यार लुटा रहा है। एक यूजर ने लिखा, कितनी प्यारी जोड़ी है! सिंगर विशाल मिश्रा ने लिखा, कटोरी द क्यूटेस्ट। एक यूजर ने लिखा, इतनी ज्यादा क्यूटनेस। एक यूजर ने लिखा, वाह आई कॉन्टेक्ट...क्या जोड़ी है। बता दें कि फिल्म सत्यप्रेम की कथा का पहला ट्रैक नसीब से हाल ही में जारी हुआ। फैंस से इसे शानदार प्रतिक्रिया मिली है। समीर विद्वांस द्वारा निर्देशित यह फिल्म 29 जून को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इस फिल्म में सुप्रिया पाठक, गजराज राव, अनुराधा पटेल, राजपाल यादव जैसे सितारे भी नजर आएंगे। इस फिल्म के अलावा कार्तिक के पास हंसल मेहता की फिल्म कैप्टन इंडिया भी है।

अजब-गजब | इस संत की डेड बॉडी चार सदी से रखी है सुरक्षित

आज भी जिससे निकलता है खून

भारत के सभी चर्च में कुछ ना कुछ ऐसा है जिसके कारण वो एक दूसरे से अलग हैं। लेकिन पुराने गोवा में एक ऐसा चर्चा है जो भारत में मौजूद सभी चर्च से पूरी तरह से जुदा है। इस चर्च में एक ईसाई संत की डेड बॉडी को बीते 450 सालों से सहेज कर रखा गया है। माना जाता है कि इस डेड बॉडी में कई दिव्य शक्तियां मौजूद हैं और इसमें से आज भी खून निकलता है। पुराने गोवा में बेसिलिका ऑफ बॉम जीसस नामक एक चर्च है। इस चर्च में सभी धर्मों के लोग आते हैं। हर साल 6-9 फरवरी तक गोवा में चलने वाले कार्निवल में इस चर्च में हजारों की संख्या में लोग आते हैं। गोवा के पणजी में स्थित इस चर्च में ही बीते 450 सालों से फ्रांसिस जेवियर नामक शख्स की बॉडी रखी हुई है।

कहा जाता है कि फ्रांसिस जेवियर की डेड बॉडी में आज भी दिव्य शक्तियां मौजूद हैं, जिसके कारण यह खराब नहीं होती है। हर 10 साल बाद लोगों के दर्शन के लिए यह बॉडी रखी जाती है। इस बॉडी को कांच के ताबूत में रखा गया है औप आखिरी बार साल 2014 में इसे लोगों के दर्शन करने के लिए रखा गया था। फ्रांसिस जेवियर का जन्म 7 अप्रैल 1506 ई। को स्पेन में हुआ था। फ्रांसिस जेवियर संत बनने से पहले एक सिपाही थे और वो इग्नाटियस लोयोला के छात्र थे। माना जाता है कि इग्नाटियस लोयोला जीसस के आदेशों के संस्थापक थे। गोवा पर जब पुर्तगालियों का राज था, तब वहां के राजा जॉन थर्ड और उस वक्त के पोप ने जेसुइट मिशनरी बनाकर फ्रांसिस जेवियर को गोवा में धर्म के प्रचार के लिए भारत भेजा था। उन्होंने सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि चीन और जापान समेत आस-पास के देशों में ईसाई धर्म की लोगों को दीक्षा दी थी। फ्रांसिस जेवियर जब चीन की यात्रा पर जा रहे थे, उस दौरान उनकी मौत हुई थी।

माना जाता है कि सेंट जेवियर ने अपने आखिरी दिनों में कहा था कि अपने शिष्यों को गोवा में ही शव दफनाने के लिए कहा था। इसके बाद सेंट जेवियर के शिष्यों ने उनके शव को गोवा में ही दफना दिया। लेकिन सालों बाद रोम से कुछ संतों का एक डेलिगेशन वापस आया था, जिसके बाद उनके शव को कब्र से बाहर निकाला गया था और उसके बाद उनके शव को वापस दफनाया गया था। सेंट जेवियर के शव को तीन अलग अलग बार कब्र से बाहर निकाला गया था। कहा जाता है कि उनका शरीर आज भी उसी अवस्था में है, जैसा पहली बार था। एक महिला का दावा था कि उसने एक बार सेंट जेवियर के पैरों में सुई चुबाई थी तब वहां से खून निकलने लगा था। कहा जाता है कि अपनी मृत्यु से पहले सेंट जेवियर ने अपनी शक्तियों से अपना एक हाथ अपने शरीर से अलग कर दिया था। यह हाथ आज भी इसी चर्च में मौजूद है।

ये है दुनिया का सबसे रहस्यमयी गांव, जहां कभी नहीं होती बारिश

हमारी पृथ्वी पर अनगिनत रहस्यमयी स्थान हैं। आज हम आपको एक ऐसे ही स्थान के बारे में बताने जा रहे हैं जहां कभी बारिश नहीं होती। इसकी वजह जाकर यकीनन आप हैरान रह जाएंगे। वैसे तो दुनिया के हर कोने में बारिश होती है फिर चाहे वह कम हो या ज्यादा। लेकिन हम जिस स्थान के बारे में बताने जा रहे हैं वहां कभी बारिश नहीं होती। दरअसल, यमन में अल-हुतैब नाम के एक गांव है जहां कभी बारिश नहीं होती ये गांव यमन की राजधानी सना के पश्चिम में मनख के निदेशालय के हरज क्षेत्र में स्थित है। यहां अक्सर पर्यटक आते रहते हैं और शानदार नजारों का लुत्फ उठाते हैं। वैसे तो लगभग सभी गांवों में बारिश होती है, शायद ही आपने कभी ऐसे गांव के बारे में सुना होगा जहां कभी बारिश नहीं होती है। लेकिन यमन का अल-हुतैब गांव दुनिया का एक ऐसा एक मात्र गांव है जहां कभी बारिश नहीं होती। इस गांव में पहाड़ों की चोटी पर भी इतने खूबसूरत घर बनाए हुए हैं, जिसे लोग देखते ही रह जाते हैं। यह गांव पृथ्वी की सतह से 3,200 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। गांव के चारों ओर का वातावरण वास्तव में काफी गर्म है। हालांकि सर्दियों के दौरान सुबह के समय वातावरण बहुत ठंडा होता है, लेकिन जैसे ही सूरज उगता है, लोगों को गर्मियों का सामना करना पड़ता है। ग्रामीण और शहरी विशेषताओं के साथ प्राचीन और आधुनिक वास्तुकला दोनों को जोड़ने वाला यह गांव अब 'अल-बोहरा या अल-मुकरमा' लोगों का गढ़ है। इन्हें यमनी समुदाय कहा जाता है। ये मुहम्मद बुरहानुद्दीन के नेतृत्व वाले इस्माइली (मुस्लिम) संप्रदाय से आते हैं, जो मुंबई में रहते थे। साल 2014 में अपनी मृत्यु तक हर तीन साल में वो इस गांव का दौरा करते थे। इस गांव की सबसे खास बात ये है कि यहां कभी बारिश नहीं होती। क्योंकि ये गांव बादलों के ऊपर बसा हुआ है। बारिश करने वाले बादल इस गांव के नीचे ही बनते हैं। जिसकी वजह से गांव से निचले इलाकों में तो बारिश होती है लेकिन गांव में एक बूंद भी नहीं गिरती।

पुलिस की दबंगई, पहलावनों को दंगाई बता किया केस

» कुश्ती खिलाड़ी बोले-शांतिपूर्ण आंदोलन करने पर सात घंटे में एफआईआर

» पहलवानों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई से विपक्ष खफा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस द्वारा पलवानों पर दंगा करवाने का केस लगाने पर विपक्ष समेत खेल प्रेमियों में गहरा रोष है। विपक्षी दलों ने इसे पुलिस की तानाशाही बताया है। कांग्रेस-टीएमसी समेत कई दलों ने सरकार को घेरा है।

ज्ञात हो कि भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे पहलवानों के खिलाफ केस दर्ज किया है, बजरंग पुनिया, साक्षी मलिक और विनेश फोगाट व अन्य के खिलाफ दंगा भड़काने, सरकार कर्मचरियों से मारपीट और उन्हें चोट पहुंचाने जैसी गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया गया है, एफआईआर पर पहलवान साक्षी मलिक ने प्रतिक्रिया देते हुए आरोपों को गलत बताया है, उन्होंने फोटो और वीडियो सबूत होने का भी दावा किया। साक्षी मलिक ने कहा, हमने दंगा नहीं किया है और न कोई बवाल किया है, हमारे पास फोटो, वीडियो सबूत हैं. उन्होंने विनेश फोगाट की फोटो को एडिट करने का आरोप लगाते हुए कहा आईटी सेल उन लोगों (पहलवानों) को बदनाम करने की कोशिश कर रहा है।

हिरासत में लिए गए थे पहलवान

पहलवानों ने रविवार (28 मई) को संसद भवन के सामने महिला महापंचायत का ऐलान किया था। पुलिस से अनुमति न मिलने के बावजूद करीब साढ़े 11 बजे रेसलर्स ने शांति मार्च करते हुए संसद भवन की तरफ कूच किया। संसद से कुछ दूर पहले केरल भवन के पास पुलिस ने पहलवानों को आगे बढ़ने से रोक दिया। यहां से कई पहलवानों को हिरासत में ले लिया गया, इनमें विनेश फोगाट साथी मलिक और बजरंग पुनिया भी शामिल थे। शाम को पुलिस ने साथी मलिक और विनेश फोगाट को छोड़ दिया जबकि बजरंग पुनिया को देर रात मयूर विहार थाने से छोड़ा गया। जानकारी के मुताबिक, पहलवानों को जबरदस्ती बसों में बैठाकर अज्ञात जगह पर भेज दिया गया। पुलिस ने इसके बाद पहलवानों के अन्य सामान के साथ चारपाई, गद्दे, कूलर, पंखे और तिरपाल की छत को हटा दिया। इससे पहले पुलिस ने पहलवानों को चेतावनी दी थी कि वे संसद की तरफ नहीं जाएं, लेकिन वे आगे बढ़े, जिसके बाद झड़प जैसी स्थिति बनी।

एफआईआर पर उठाए सवाल

इसके पहले साथी मलिक ने पहलवानों के खिलाफ एफआईआर को लेकर दिल्ली पुलिस पर निशाना साधा था। मलिक ने अपने ट्विटर पेज पर लिखा कि दिल्ली पुलिस को यौन शोषण करने वाले बृजभूषण के खिलाफ़ एफआईआर दर्ज करने में 7 दिन लगते हैं और शांतिपूर्ण आंदोलन करने पर हमारे ख़िलाफ़ एफआईआर दर्ज करने में 7 घंटे भी नहीं लगाए। क्या इस देश में तानाशाही शुरू हो गई है ? सारी दुनिया देख रही है कैसे सरकार अपने खिलाड़ियों के साथ कैसा बर्ताव कर रही है।

पुलिस का बर्ताव निंदनीय : केजरीवाल

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रदर्शन कर रहे पहलवानों का समर्थन करते हुए दिल्ली पुलिस और केंद्र की भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि देश का मान बढ़ाने वालों के साथ ऐसा बर्ताव गलत और निंदनीय है। उधर विनेश ने सबसे ज्यादा विरोध किया और बाद में बस से कहा कि उन्हें न्याय मांगने की सजा मिल रही है। उन्होंने कहा कि आरोपी आजाद घूम रहा है, उसे सरकार पनाह दे रही है और देश के लिए पदक जीतने वाले हम खिलाड़ियों को देश की बेटियों के लिए न्याय मांगने के लिए अब जेल में डाला जा रहा है।

हमने कोई दंगा नहीं किया, आरोप झूठें, आगे का कोई प्लान नहीं : मलिक

आगे की योजना के बारे में मलिक ने कहा, अभी हम लोग मानसिक रूप से थके हुए हैं, अभी आगे का कोई प्लान नहीं है। साथ ही सोमवार (29 मई) को किसी भी तरह की प्रेस कॉन्फ्रेंस से भी इनकार किया। उन्होंने कहा कि कल जो हुआ बहुत खराब था। हमलोग शांतिपूर्वक मार्च करने वाले थे लेकिन हमें हिरासत में ले लिया गया और शाम को 6 बजे छोड़ा गया।

दिल्ली-एनसीआर में लुढ़का पारा, गर्मी से राहत

» कुछ दिन चलेगा रुक-रुक होगी बारिश

» एक और पश्चिमी विक्षोभ की दस्तक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली व पश्चिमी यूपी में एक बार फिर बारिश का सिलसिला शुरू हुआ है। देर रात नई दिल्ली के कई इलाकों में बारिश हुई। मौसम विभाग का कहना है कि अभी कुछ दिन मौसम खुशगवार बना रहेगा। रुक-रुक कर बारिश होची रहेगी। एनसीआर में भी बारिश का माहौल है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने रविवार रात दिल्ली-एनसीआर के कुछ हिस्सों में धूल भरी आंधी के साथ बारिश होने की भविष्यवाणी की थी। दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने भी रविवार को कहा कि अगले 24 घंटों में दिल्ली में हल्की से मध्यम बारिश के साथ-साथ गरज और तेज हवाएं चलने की संभावना है।

एक और पश्चिमी विक्षोभ दस्तक दे रहा है। इसका असर 28 मई की रात से देखने को मिला। 28 व 29 मई रात को हल्की बारिश होने की संभावना है। मौसम का ऐसा मिजाज 31 मई तक बना रहेगा। इस कारण से तापमान भी 35-36 डिग्री के आसपास ही रहेगा। दिल्ली-एनसीआर में मौसम के करवट लेने के बाद प्रदूषण का स्तर नीचे आ गया है। बारिश के चलते कई इलाकों का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) मध्यम श्रेणी में पहुंच गया है। इससे दिल्ली-एनसीआर की हवा साफ हुई है।

उत्तर भारत में ऑरेंज अलर्ट जारी

हिमाचल, उत्तराखंड के साथ ही पूरे दिल्ली-एनसीआर के इलाके में सोमवार और मंगलवार को हल्की से मध्यम बारिश देखने को मिल सकती है। खास तौर पर हिमाचल में ओलावृष्टि और तेज हवाएं चलने का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। 29 मई को हिमाचल में निचले और मध्य पर्वतीय क्षेत्रों में कुछ जगह हल्की से मध्यम बारिश होगी। मध्य पर्वतीय क्षेत्रों में कुछ जगह हल्की से मध्यम बारिश होगी। एक दो स्थानों पर गर्जना, तड़ति, ओलावृष्टि और तेज हवाओं के साथ बारिश होगी। हवा की गति 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटा रहने की संभावना है। रविवार को शिमला का अधिकतम तापमान 22.8, सुंदरनगर में 31.0, भुंतर में 30.4, कल्पा में 20.7, धर्मशाला में 28.0, ऊना में 33.4, कांगड़ा में 31.6, बिलासपुर में 36.5 और मंडी में 32.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में रविवार को मौसम खुला रहने के बावजूद दिन के तापमान में सामान्य से 3-5 डिग्री तक गिरावट जारी रही। मौसम विज्ञान केंद्र श्रीनगर के अनुसार 29 से 31 मई तक प्रदेश के कुछ हिस्सों में बारिश हो सकती है। इस दौरान 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं।

राजद को इसी तरह की शिक्षा मिली है: पशुपति पारस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। नई संसद को लेकर लालू यादव की पार्टी आरजेडी द्वारा किए गए ट्वीट को लेकर सियासी हलचल तेज है। अब केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस ने कहा कि ये अच्छी बात नहीं है। उन्होंने ट्वीट किया हो सकता है कि उन्हें (राजद) इसी तरह की शिक्षा मिली हो, यह देश के लिए गर्व का क्षण था लेकिन ये (राजद) लोग ट्विटर पर कुछ भी लिख रहे हैं, यह अच्छी बात नहीं है, उन्होंने कहा कि देश की आजादी के बाद यह पहला मौका है जब देश के लोग गौरान्वित महसूस कर रहे हैं। वहीं विवादित ट्वीट पर बीजेपी नेता दुष्यंत गौतम ने कहा था कि इनका काम केवल मोदी जी का विरोध करना है, क्या भारत पहले जीरो के अंदर बैठा था पहले संसद की आकृति तो जीरो की तरह ही थी, तो क्या भारत तब जीरो की तरह धरातल में जा रहा था।

गोली खाने को तैयार, पीठ नहीं दिखाएंगे : बजरंग

» पूर्व आईपीए के ट्वीट पर भड़के पहलवान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पूर्व आईपीएस अफसर के ट्वीट पर पहलवान बजरंग पूनिया भड़क गए। पुनिया ने इस प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वह गोली खाने को भी तैयार हैं साथ ही पूर्व अधिकारी को चुनौती भी दे डाली। पूर्व आपीएस अधिकारी एनसी अस्थाना ने पहलवानों के ऊपर पुलिस की कार्रवाई को सही ठहराते हुए लिखा था कि अगर जरूरत पड़ी तो गोली भी मारी जाएगी।

रविवार को दिल्ली पुलिस ने संसद भवन की तरफ मार्च कर रहे पहलवानों को आगे बढ़ने से रोक दिया था। इसके बाद पुलिस ने पहलवानों को बल प्रयोग करते हुए वहां से ले गई। उस समय बजरंग पूनिया ने दिल्ली पुलिस से कहा था कि हमें गोली मार दो। बजरंग के इसी बयान पर पूर्व आईपीएस एनसी अस्थाना ने लिखा, ज़रूरत हुई तो गोली भी मारेंगे, मगर, तुम्हारे कहने से नहीं, अभी तो सिर्फ कचरे के बोरे की तरह घसीट कर फेंका ह, दफ़ा 129 में पुलिस को गोली मारने का अधिकार है, उचित परिस्थितियों में वो हसरत भी पूरी होगी। वहीं बजरंग पूनिया ने लिखा, ये आईपीएस ऑफिसर हमें गोली मारने की बात कर रहा है, भाई सामने खड़े हैं, बता कहां आना है गोली खाने, कसम है पीठ नहीं दिखाएंगे, सीने पे खाएंगे तेरी गोली।

प्रणय ने रचा इतिहास, मलेशिया मास्टर्स का जीता खिताब

» चीनी शटलर वेंग को 21-19 13-21 21-18 से हराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मलेशिया। भारतीय शटलर एचएस प्रणय ने 94 मिनट चले मुकाबले के दौरान शानदार जज्बा दिखाते हुए चीन के दुनिया के 34वें नंबर के खिलाड़ी वेंग के खिलाफ 21-19 13-21 21-18 से जीत दर्ज की। यह प्रणय का पहला बीडब्ल्यूएफ (विश्व बैडमिंटन महासंघ) विश्व टूर खिताब है। साथ ही भारत का कोई खिलाड़ी इस साल पहला एकल खिताब जीतने में सफल रहा।

केरल का यह बैडमिंटन खिलाड़ी पिछले साल स्विस ओपन के फाइनल में पहुंचकर खिताब के सूखे को खत्म करने के करीब पहुंचा था। इसके अलावा प्रणय मलेशिया और इंडोनेशिया सुपर 1000 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में भी जगह बनाने में सफल रहे थे। प्रणय ने कई चोट और स्वास्थ्य समस्यों से जूझने के बाद 2021 के दूसरे हाफ के बाद से लगातार अच्छा प्रदर्शन किया। पिछले दो साल में भारतीय खिलाड़ियों के बीच प्रणय के प्रदर्शन में सबसे अधिक निरंतरता रही है लेकिन इसके बावजूद वह बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर खिताब नहीं जीत पा रहे थे। नौवें नंबर के खिलाड़ी प्रणय की कड़ी मेहनत का फल मिला जब उन्होंने चीन के 23 वर्षीय खिलाड़ी के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताबी जीत हासिल की। प्रणय ने दुनिया के पांचवें नंबर के खिलाड़ी चाउ टिएन चेन, ऑल इंग्लैंड चैंपियन ली शी फेंग और जापान के केंटा निशिमोटो को हराया।

छह साल के खिताब के सूखे को खत्म किया

भारत के एचएस प्रणय ने सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के कड़े पुरुष एकल फाइनल मुकाबले में तीन गेम में चीन के वेंग होंग येंग को हराकर छह साल के खिताब के सूखे को खत्म किया। तीस साल के भारतीय खिलाड़ी ने 94 मिनट चले मुकाबले के दौरान शानदार जज्बा दिखाते हुए चीन के दुनिया के 34वें नंबर के खिलाड़ी वेंग के खिलाफ 21-19 13-21 21-18 से जीत दर्ज की। बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर छह स्तर में विभाजित है जिसमें विश्व टूर फाइनल्स, चार सुपर 1000, छह सुपर 750, सात सुपर 500 और 11 सुपर 300 टूर्नामेंट शामिल हैं। एक अन्य वर्ग के टूर्नामेंट बीडब्ल्यूएफ टूर सुपर 100 से भी खिलाड़ियों को रैंकिंग अंक मिलते हैं। सुपर 500 बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग प्रणाली में ग्रेड दो (चौथे स्तर) का टूर्नामेंट है।

सीएम योगी और अखिलेश ने डाला वोट किए जीत के दावे

विधान परिषद की दो रिक्त सीटों पर हो रही है वोटिंग

» बृजेश पाठक ने भी किया मतदान, उनके साथ सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने की वोटिंग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में विधान परिषद की दो रिक्त सीटों पर हो रहे उप चुनाव के तहत आज मतदान हो रहा है। सीएम योगी ने सबसे पहले मतदान किया। वहीं सपा प्रमुख अखिलेश याद ने भी वोट डाला। विधानभवन के तिलक हॉल में विधानसभा के सदस्य अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। मतदान शाम चार बजे तक होगा। दोनों रिक्त सीटों के लिए दो अलग-अलग मतदान बूथ बनाए गए हैं। मतदान के एक घंटा बाद मतगणना की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। रात्रि नौ बजे तक उप चुनाव के नतीजे सामने आ सकते हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा मतदान करने के बाद उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने भी वोट डाला। उनके साथ सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर भी थे।

उन्होंने वोट करने के बाद कुछ भी बताने से इनकार कर दिया। कहा कि ये गुप्त मतदान है। बृजेश पाठक और ओमप्रकाश राजभर मतदान करने के बाद हाथ मिलाते हुए एक साथ निकले। मतदान के लिए अन्य विधायक भी पहुंचने लगे हैं। गुप्त मतदान किया जा रहा है।

हमारे प्रत्याशी जीतेंगे : भाजपा

भाजपा के मुख्य सचेतक रामनरेश अग्निहोत्री ने कहा कि उपचुनाव में भाजपा को 290 वोट मिलेंगे जबकि भाजपा गठबंधन के पास अधिकृत आंकड़ा 274 है। उन्होंने कहा कि दूसरे दलों के विधायक भी भाजपा प्रत्याशियों को ही मतदान करेंगे। विधान परिषद सदस्य लक्ष्मण आचार्य के इस्तीफे और बनवारी लाल दोहरे के निधन से रिक्त हुई दो सीटों के लिए मतदान हो रहा है। भाजपा ने मानवेंद्र सिंह और पदमसेन चौधरी को अपना उम्मीदवार बनाया है।

दोनों प्रत्याशियों को 118 से अधिक वोट मिलेंगे : सपा

सपा विधायक अतुल प्रधान ने कहा कि दोनों प्रत्याशियों को 118 से अधिक वोट मिलेंगे। सदन में विधायकों की कुल संख्या 403 है। सपा ने राम जतन राजभर और रामकरण निर्मल को अपना उम्मीदवार बनाया है। सपा ने लोगों को यह संदेश देने के लिए अपने उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है कि वह सत्ताधारी दल को बिना लड़ाई के आसानी से जीतने नहीं देगी।

विधानभवन में सुरक्षा का भी पुख्ता इंतजाम

मतदान और मतगणना के दौरान विधानभवन में सुरक्षा का भी पुख्ता इंतजाम किया गया है। रिटर्निंग आफिसर मोहम्मद मुशाहिद ने बताया कि मतदान और मतगणना के दौरान विधानभवन में आगंतुकों को प्रवेश की अनुमति प्रदान नहीं की जाएगी। केवल प्रत्याशी, उनके अभिकर्ता, विधानमंडल के वर्तमान एवं पूर्व सदस्य, वर्तमान एवं पूर्व संसद सदस्य, पत्रकार तथा सरकारी कार्य से आने वाले अधिकारी एवं कर्मचारी ही प्रवेश कर सकेंगे। दो सीट पर उपचुनाव के लिए अधिसूचना 11 मई को जारी की गई थी और 18 मई को नामांकन पत्र दाखिल करने का आखिरी दिन था।

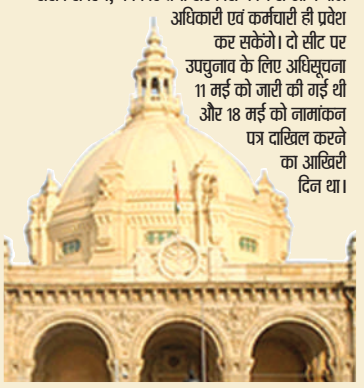

दोनों सीटों के लिए हो रहा गुप्त मतदान

विधानसभा सचिवालय ने मतदान के लिए विधान भवन स्थित तिलक हॉल में दो मतदान कक्ष बनाए हैं। रिटर्निंग अधिकारी मो. मुशाहिद ने बताया कि दोनों सीटों पर गुप्त मतदान होगा। सभी 403 विधायक मतदान करेंगे। मतदान के बाद मतपत्र किसी भी व्यक्ति या चुनाव अभिकर्ता को दिखाने की इजाजत नहीं होगी। मतदान के बाद मतगणना होगी। शाम 6 बजे तक परिणाम घोषित होने की उम्मीद है। भाजपा से पद्मसेन चौधरी और मानवेंद्र सिंह व सपा से रामजतन राजभर और रामकरन निर्मल चुनाव लड़ रहे हैं। विधान परिषद उपचुनाव के लिए भाजपा ने अपने विधायकों के लिए व्हिप जारी किया है। प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने पार्टी विधायकों को संदेश दिया कि एक भी वोट बर्बाद नहीं होना चाहिए।

सड़क हादसे में इंजीनियरिंग कॉलेज के सात छात्रों की मौत

» कार पहले सड़क डिवाइडर से और फिर वैन से टकराई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गुवाहाटी। गुवाहाटी में सोमवार को सड़क हादसे में असम इंजीनियरिंग कॉलेज के सात छात्रों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि तृतीय वर्ष के 10 छात्र आज सुबह एक कार में कॉलेज परिसर से निकले और उनका तेज रफ्तार वाहन जलुकबारी इलाके में पहले सड़क पर डिवाइडर से और फिर एक वैन से टकरा गए।

उन्होंने कहा कि सात छात्रों की मौके पर ही मौत हो गई। तीन अन्य को गंभीर हालत में गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारी ने बताया कि चालक सहित वैन में सवार तीन लोग भी गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

फोटो :4 पीएम

श्रद्धांजलि विधानसभा परिसर में भारत के पूर्व प्रधानमंत्री व स्वतंत्रता सेनानी किसानों के मसीहा स्वर्गीय श्रद्धेय चौधरी चरण सिंह जी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय प्रवक्ता अनिल दुबे, इस अवसर पर पार्टी मुख्यालय पर हवन करते हुए राष्ट्रीय प्रवक्ता अनिल दुबे व प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय।

इसरो की नई पीढ़ी का नेविगेशन सैटेलाइट लॉच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीहरिकोटा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने आज श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन स्पेस सेंटर से नई पीढ़ी का नेविगेशन सैटेलाइट को सुबह 10 बजकर 42 मिनट पर लॉन्च किया। जीएसएलवी-एफ12 ने नौवहन उपग्रह एनवीएस-01 को सफलतापूर्वक कक्षा में स्थापित किया। इसरो ने कहा कि अब इस सेटेलाइट की मदद से हमारे पास और भी बड़े पेलोड लॉन्च करने की क्षमता है।

इस सैटेलाइट का नाम है ,एनवीएस-01 है, जिसे जीएसएलवी-एफ12 रॉकेट के जरिए लॉन्च पैड-2 से छोड़ा गया। यह उपग्रह भारत और मुख्य भूमि के आसपास लगभग 1,500 किलोमीटर के क्षेत्र में तात्कालिक स्थिति और समय संबंधी सेवाएं प्रदान करेगा। दूसरे लॉन्च पैड से सोमवार पूर्वाह्न 10 बजकर 42 मिनट पर 51.7 मीटर लंबा जीएसएलवी अपनी 15वीं उड़ान में 2,232 किलोग्राम वजनी एनवीएस-01 नौवहन उपग्रह को लेकर रवाना हुआ।

सिरफिरे ने लड़की पर चाकू से किए 21 वार, फिर पत्थर से कूचकर मार डाला

» दिल्ली में दिल दहलाने वाली हुई वारदात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। शाहबाद डेरी के बी ब्लॉक में रविवार रात नाबालिग लड़की की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। नाबालिग की पहचान शाहबाद डेरी के ई ब्लॉक की साक्षी के रूप में हुई है। नाबालिग अपनी दोस्त भावना के साथ जन्मदिन की पार्टी में शामिल होने के लिए जा रही थी। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर अस्पताल के शवगृह भिजवा दिया है। पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

बर्थडे पार्टी में जा रही थी नाबालिग

शाहबाद डेरी के बी ब्लॉक की भावना ने बताया कि वह साक्षी के साथ मिलकर जन्मदिन की पार्टी में शामिल होने जा रही थी। भावना नहाने के लिए सार्वजनिक शौचालय में चली गई। इस दौरान साक्षी भावना के घर के बाहर खड़ी थी। तभी एक युवक आया व साक्षी से बात करने लगा। बातों ही बातों में उसने जेब से चाकू निकाला व साक्षी के पेट पर ताबड़तोड़ वार करना शुरू कर दिया। पुलिसकर्मियों ने मौके पर आकर देखा तो साक्षी की मौत हो चुकी थी।

सीसीटीवी फुटेज हुआ वायरल

इसका एक दिल दहला देने वाला सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है जिसमें एक युवक नाबालिग पर ताबड़तोड़ चाकू से हमला करता जरा रहा है। इतना ही नहीं चाकू से वार करने के बावजूद उसका जब मन नहीं भरता तो उसे लात मारता है और फिर सिर पर पत्थर से वार करता है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।